ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 13 अंक - 20 जनवरी - II, 2013 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.50 रु.

विश्व की सबसे बड़ी ट्रॉफी 'वर्ल्ड अमेजिंग रिकार्ड' में शामिल

बीड। ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी के 97 वें जन्मदिन के अवसर पर बीड नगर निगम की ओर से सोनाजीराव क्षीरसागर मेडिकल कॉलेज, विद्यानगर के प्रांगण में एक भव्य समारोह आयोजित कर उन्हें यह ट्रॉफी प्रदान की गई। इस समारोह को सम्बोधित करते हुए नगर निगम की अध्यक्षा दीपा बहन क्षीरसागर ने कहा कि

दादीजी के 97 वें जन्मदिन के अवसर पर उन्हें भेंट की गई 27 फीट ऊंची विश्व की सबसे ट्रॉफी। इस ट्रॉफी पर कांच की सुंदर नक्काशी की गई है।

दादी जी विश्व की उन अग्रणी महिलाओं में शामिल हैं जिन्होंने विश्व शांति स्थापन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि 97 वें वर्ष की उम्र की पड़ाव में भी उनमें वही उमंग-उत्साह देखने को मिलता है जो कि एक युवा वर्ग में होता है। वे बचपन से ही इस आध्यात्मिक साधना की राह को चुना और विश्व के समक्ष एक नया दर्शन प्रस्तुत किया। उन्होंने नारी शक्ति को अबला नहीं बल्कि सबला बनाकर एक नये अध्याय की शुरुआत की। उनका व्यक्तित्व ही एक दर्शन है।

इस समारोह को विडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा सम्बोधित करते हुए दादी जानकी ने कहा कि यह हमारे लिए भी व पूरे देश के लिए गर्व की बात है। भारत प्रारंभ से ही आध्यात्मिक साधना का केंद्र रहा है और यही उसकी पहचान भी है।

ओम शांति मीडिया के संपादक ब्र.कु.गंगाधर ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन से मन पर नियंत्रण किया जा सकता है। जिससे मन शक्तिशाली बन जाता है। दादीजी ने विश्व के सबसे बड़ी संस्थान का संचालन शांतिपूर्वक कर मिसाल रचा है। उन्होंने कहा कि यह संस्था प्रारंभ से ही मानव को मूल्यनिष्ठ बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। इस संस्था द्वारा की जा रही सेवाओं से मानव की सोच में एक नया बदलाव आया है और उसने जीवन जीने की कला को सीखकर अपना जीवन सुखमय बनाया है। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक ब्र.कु.दीपक हरके ने इस ट्रॉफी के बारे में बताते हुए कहा कि इस ट्रॉफी का निर्माण अहमदनगर के सुप्रसिद्ध शिल्पकार हेमंत दंडवते ने किया है। 27 फीट ऊंची इस ट्रॉफी पर कांच की सुंदर कलाकृतियों की नक्काशी की गई है। उन्होंने बताया कि सबसे बड़ी ट्रॉफी का राष्ट्रीय रिकार्ड 17 फीट का है और विश्व की सबसे बड़ी राष्ट्रीय ट्रॉफी का रिकार्ड 22 फीट का है जो कि अमेरिका के क्वीक ट्रॉफी एल.एल.सी के नाम पर है।

विश्व की सबसे बड़ी ट्रॉफी को 'वर्ल्ड अमेजिंग रिकार्ड' में शामिल किए जाने की घोषणा इसके अध्यक्ष पवन सोलंकी ने की।

इस समारोह को पूर्व विधायक बी.के.विनायक पाटील, पूर्व नगर निगम अध्यक्ष डॉ.भारतभूषण क्षीरसागर, भरतबुवा रामदासी, ब्र.कु.भरत, ब्र.कु.जगदीश, सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु.प्रज्ञा, ब्र.कु.वसंतराव बाविस्कर, सोलापूर सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु.सोमप्रभा ने भी संबोधित किया और अपनी शुभकामनायें व्यक्त की। इस समारोह में शहर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बीड। ब्र.कु.प्रज्ञा बहन एवं ब्र.कु.दीपक को विश्व का सबसे बड़ी ट्रॉफी का प्रमाण-पत्र भेंट करते हुए 'वर्ल्ड अमेजिंग रिकार्ड' के अध्यक्ष पावन सोलंकी। यह प्रमाण-पत्र उन्होंने दादी जी की प्रतिनिधी के तौर पर स्वीकार किया।

नव वर्ष में नई सोच के साथ कार्य करें - शिवानी

रायपुर। नव वर्ष में नई सोच और नये विचार के साथ कार्य करें तब हम सच्चे अर्थों में नई राजधानी बना पायेंगे। नई राजधानी में ऐसी विधानसभा हो जहां हर कोई प्रेम से व्यवहार करे और सर्व को सहयोग देकर उनकी दुआएं प्राप्त करे। तभी हम सच्चे अर्थों में सफल राजनीतिज्ञ बन पायेंगे।

उक्त उद्‌गार वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.शिवानी ने विधानसभा परिसर में स्थिति डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रेक्षागृह में मंत्रियों तथा विधायकों के लिए 'सफल राजनीतिक जीवन के लिए सुगम मेडिटेशन' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मेडिटेशन से श्रेष्ठ कर्म करने का ज्ञान और शक्ति मिलती है। सबसे ज्यादा आत्मिक शक्ति का नुकसान गुस्सा करने से होता है। जिसका परिणाम हमें तनाव, डिप्रेशन और हताशा के रूप में देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि योग से आत्मा की शक्ति बढ़ती है और यह स्वयं पर राज्य करना सिखाती है। जिससे व्यक्ति का जीवन श्रेष्ठ बन जाता है।

फिल्म अभिनेता सुरेश ओबेरॉय ने अपना अनुभव सुनाते हुए कहा कि जब मैं ब्रह्माकुमारीज़ के सम्पर्क में नहीं आया था तब हमारा जीवन बहुत ही तामसिक था और मैं बात-बात में बहुत ही गुस्सा करता था। लेकिन जब से हमने आस्था चैनल पर प्रसारित 'अवेकनिंग विद ब्रह्माकुमारीज़' कार्यक्रम देखा तब से हमारे व्यवहार में बहुत ही परिवर्तन आया। जब मैंने राजयोग मेडिटेशन का गहन अभ्यास किया तब तो हमारा जीवन पूरी तरह से ही बदल गया।

इंदौर जोन के क्षेत्रिए निदेशक ब्र.कु.ओमप्रकाश ने कहा कि स्वयं को न जानने के कारण व्यक्ति जन्म से लेकर मृत्यु तक सुख की प्राप्ति का प्रयास करता रहता है लेकिन उसके ये सारे प्रयास अल्पकालिक होते हैं।

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह, विधानसभा के अध्यक्ष धरम लाल कौशिक, विधानसभा के उपाध्यक्ष नारायण दास चंदेल, प्रतिपक्ष के नेता रविन्द्र चौबे, लोक निर्माण मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, माउण्ट आबू से ब्र.कु.मृत्युंजय सहित बड़ी संख्या में मंत्री, विधायक एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

रायपुर। 'सफल राजनीतिक जीवन के लिए सुगम मेडिटेशन' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.शिवानी तथा ध्यानपूर्वक सुनते हुए मुख्यमंत्री रमन सिंह, विधानसभा के अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, प्रतिपक्ष के नेता रविन्द्र चौबे सहित कैबिनेट के अनेक मंत्री तथा विधायक।